भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 150
उत्तर देने की तारीख 25 नवंबर, 2024
4 अग्रहायण, 1946 (शक)

तिरुपति में खेलों को बढ़ावा देना

150. श्री मड्डीला गुरूमूर्ति:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों में "खेलो इंडिया" कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण खेल कार्यकलापों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकारी योजनाओं और तिरुपति संसदीय क्षेत्र के लिए आवंटित राशि का ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या सरकार देश के ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों/युवाओं को राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लेने और देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु विशेष सुविधाएं विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है;

(ग) यदि हां, तो आंध्र प्रदेश सहित राज्य और जिले-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) देश में टियर-2 और टियर-3 शहरों में खेल के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) इस मंत्रालय के 'खेलो इंडिया - राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम' का उद्देश्य तिरुपति संसदीय क्षेत्र सहित पूरे देश में खेलों में जन भागीदारी और उत्कृष्टता के विकास के दोहरे उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए खेल के संपूर्ण पारिस्थितिक ढांचे को मजबूत करना है। यह युवाओं के बीच खेलों के व्यापक आधार और ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे देश में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इस स्कीम के उप-घटकों में से एक, "ग्रामीण और देशज/जनजातीय खेलों को बढ़ावा" विशेष रूप से ग्रामीण खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इस मंत्रालय में निधि का आवंटन स्कीम-वार किया जाता है न कि राज्य-वार। पिछले तीन वर्षों के दौरान खेलो इंडिया स्कीम के तहत आवंटित निधि का विवरण इस प्रकार है:

(करोड़ रुपये में)

क्र. सं.	वित्तीय वर्ष	आवंटित निधि
1.	2021-22	869.00
2.	2022-23	600.00
3.	2023-24	880.00

(ख) और (ग) : 'खेल' राज्य विषय होने के कारण, देश के ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों/युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष सुविधाएँ विकसित करने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से संबंधित राज्य/ संघ-राज्य क्षेत्र सरकारों की है। केंद्र सरकार उनके प्रयासों में सहायता करती है।

खेलो इंडिया स्कीम के तहत, देश भर में प्रतिभाशाली एथलीटों की पहचान करने और उन्हें भारतीय खेल प्राधिकरण और खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमियों की विभिन्न सुविधाओं में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण और प्रदर्शन के माध्यम से पोषित करने के उद्देश्य से विभिन्न पहल की गई हैं। ये एथलीट खेलो इंडिया गेम्स में भाग लेते हैं जहाँ तकनीकी प्रबंध का मानक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का होता है। इसके अलावा, ये एथलीट विभिन्न मंचों पर राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं, जिससे उनकी क्षमताएं बढ़ती हैं और भविष्य के राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए देश की बेंच स्ट्रेंथ मजबूत होती है।

(घ) खेलो इंडिया स्कीम के "खेल अवसंरचना के निर्माण और उन्नयन" घटक के तहत, यह मंत्रालय खेल उपकरणों के साथ-साथ खेल परिसर, सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक, सिंथेटिक हॉकी मैदान, सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल मैदान, बहुउद्देशीय हॉल, स्विमिंग पूल आदि जैसी बुनियादी खेल अवसंरचना के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इसके अलावा, राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) के तहत, सरकार टियर-2 और टियर-3 शहरों सहित देश भर में खेल सुविधाओं के निर्माण और उन्नयन के लिए विभिन्न संस्थानों और व्यक्तियों को सहायता देती है। देश भर में खेलो इंडिया स्कीम और एनएसडीएफ के तहत स्वीकृत खेल अवसंरचना का विवरण मंत्रालय के डैशबोर्ड https://mdsd.kheloindia.gov.in और http://www.nsdf.yas.gov.in/nsdf-glance.html पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है।

*****